दिल्ली सल्तनत : विविध

नोट्स

*भारत में पोलो खेल का प्रचलन तुर्कों ने किया था। *ज्ञातव्य है कि **कुतुबुद्दीन ऐबक पोलो (चौगान) का शौकीन** था। *इसी खेल के दौरान घोड़े से गिर जाने के कारण 1210 ई. में उसकी मृत्यु भी हुई थी।

*सल्तनत काल में ऊंचे धार्मिक और न्यायिक पदों पर बैठे **व्यक्तियों (उलेमा)** को सामूहिक रूप से **'दस्तार बन्दान' (पगड़ी पहनने वाले)** कहा जाता था, क्योंकि वे सिर पर आधिकारिक रूप से पहनी जाने वाली पगड़ी धारण करते थे। ***राजपूतों** द्वारा मुस्लिम आक्रमणकारियों से स्त्रियों की रक्षा के लिए **जौहर प्रथा का प्रचलन** हुआ।

प्रश्नकोश

1. भारत में पोलो खेल का प्रचलन किया–

(a) यूनानियों ने (b) अंग्रेजों ने

(c) तुर्कों ने (d) मुगलों ने

U.P. P.C.S. (Pre) 2001

उत्तर–(c)

भारत में पोलो खेल का प्रचलन तुर्कों ने किया था। ज्ञातव्य है कि कुतुबुद्दीन ऐबक पोलो (चौगान) का शौकीन था। इसी खेल के दौरान घोड़े से गिर जाने के कारण 1210 ई. में उसकी मृत्यु भी हुई थी।

2. सूची-I तथा सूची-II का सुमेल कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
A. फिरोज तुगलक	1. दीवान-ए-रियासत
B. बलबन	2. नौरोज
C. अलाउद्दीन	3. नहरों का निर्माण
D. जहांगीर	4. सर थॉमस रो

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	2	1	4
(c)	4	1	2	3
(d)	4	3	2	1

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

राजधानी में आर्थिक मामलों की देखभाल के लिए 'दीवान-ए-रियासत' विभाग की स्थापना अलाउद्दीन खिलजी ने की थी। फिरोज तुगलक ने नहरों का निर्माण कराया था। फारसी त्यौहार 'नौरोज' को बलबन ने दिल्ली दरबार में प्रचलित किया था। अंग्रेज सर थॉमस रो मुगल शासक जहांगीर के काल में भारत आया था।

3. निम्नलिखित में से दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान के शासनकाल में शाही महलों में हिंदू देवी-देवताओं की पूजा होती थी?

(a) कुतुबुद्दीन मुबारक खिलजी (b) नासिरुद्दीन महमूद

(c) नासिरुद्दीन खुसरो शाह (d) अलाउद्दीन मसूद शाह

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2021

उत्तर–(c)

दिल्ली सल्तनत के सुल्तान नासिरुद्दीन खुसरो शाह के शासनकाल में शाही महलों में हिंदू देवी-देवताओं की पूजा होती थी। मुबारकशाह की हत्या के उपरांत खुसरो खां 'नासिरुद्दीन खुसरो शाह' की उपाधि धारण कर दिल्ली की गद्दी पर बैठा था।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(यात्री)		(देश)
(a) इब्नबतूता	-	मोरक्को
(b) मार्को पोलो	-	इटली
(c) अब्दुर रज्जाक	-	तुर्की
(d) नूनिज	-	पुर्तगाल

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर–(c)

इब्नबतूता (1333-1347 ई.) मोरक्को का यात्री था। यह मुहम्मद बिन तुगलक के कार्यकाल (1325-51 ई.) में भारत आया था। मार्को पोलो वेनिस (इटली) का प्रसिद्ध यात्री था। वह पाण्ड्य शासक मारवर्मन कुलशेखर (1268-1310 ई.) के समय में भारत आया था। ईरानी राजदूत अब्दुर्रज्जाक देवराय द्वितीय (1422-46 ई.) के शासनकाल में विजयनगर आया था। नूनिज पुर्तगाल का यात्री और अश्व व्यापारी था। इसने भी विजयनगर की यात्रा की थी।

5. निम्न यात्रियों के पधारने का क्या अनुक्रम रहा?

1. इब्नबतूता **2. ट्रेवर्नियर**

3. अलबरूनी **4. मनूची**

कूट :

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 3, 1, 2, 4

(c) 2, 3, 4, 1 (d) 4, 1, 2, 3

U.P. P.C.S. (Pre) 1997

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002

उत्तर–(b)

प्रश्नगत यात्रियों का क्रमानुसार विवरण इस प्रकार है -

(i) **अलबरूनी**–अलबरूनी खीवा (प्राचीन ख्वारिज्म) का निवासी था। महमूद गजनवी की भारत-विजय से पहले वह एक विद्वान तथा राजनयिक के रूप में खीवा वंश के अंतिम शासक के दरबार में था। महमूद गजनवी के भारत पर आक्रमण के समय वह उसके साथ भारत आया था।

Scanned with OKEN Scanner

(ii) **इब्नबतूता** (1333-1347 ई.)–यह मोरक्को (अफ्रीकी) का यात्री था। वह सल्तनत काल में मुहम्मद बिन तुगलक के शासनकाल (1325-1351ई.) में भारत आया। मुहम्मद तुगलक ने इसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया था। बाद में 1342 ई. में उसे अपना दूत बनाकर चीन भेजा। इब्नबतूता ने 'रेहला' नामक पुस्तक में अपने यात्रा वृत्तांतों का वर्णन किया है।

(iii) **ट्रेवर्नियर/टैवर्नियर** (17वीं शताब्दी)– फ्रांसीसी यात्री ट्रेवर्नियर ने शाहजहां के शासनकाल में अपनी यात्रा प्रारंभ की। यह पेशे से जौहरी था। इसने छः बार पूर्व की यात्रा की। अपनी यात्रा का विवरण इसने 'द सिक्स वॉयजेस ऑफ जॉन बैपटिस्टा टैवर्नियर' नामक पुस्तक में किया है।

(iv) **मनूची** (1653-1708 ई.)– यह इतालवी यात्री था। 14 वर्ष की अल्पायु में ही अपने गृह नगर वेनिस से भागकर एशिया माइनर और फारस की यात्रा करते हुए भारत पहुंचा। इसने शहजादा दारा शिकोह की सेवा में तोपची के रूप में नौकरी की। बाद में चिकित्सक का पेशा अपना लिया। स्टोरिया दो मोगोर या मुगल इंडिया, 1653-1708 नामक संस्करण लिखा, जिसे 17वीं शताब्दी के 'भारत का दर्पण' कहा जाता है।

6. 'दस्तार बन्दान' कौन कहलाते थे?

(a) सूफी संत (b) खान

(c) मलिक (d) उलेमा

U.P.P.C.S. (Pre) 2014

उत्तर–(d)

सल्तनत काल में ऊंचे धार्मिक और न्यायिक पदों पर बैठे व्यक्तियों (उलेमा) को सामूहिक रूप से 'दस्तार बन्दान' (पगड़ी पहनने वाले) कहा जाता था, क्योंकि वे सिर पर आधिकारिक रूप से पहनी जाने वाली पगड़ी धारण करते थे।

7. भारतीय इतिहास के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन "कुलाह-दारन" कहलाते थे?

(a) अरब व्यापारी (b) कलंदर

(c) फारसी खुशनवीस (d) सय्यद

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(d)

मुस्लिम धर्म में सय्यद (सैयद), पीर आदि महत्वपूर्ण धार्मिक विचारकों का समूह है। राज्य द्वारा धार्मिक और न्यायिक अधिकारियों के रूप में नियुक्त पीर सय्यद को सामूहिक रूप से दस्तार-बन्दान कहा जाता था अर्थात टोपी या कुलह पहनने वाले। इनमें सय्यद विशेष प्रकार की नुकीली टोपी पहनते थे, जिन्हें कुलाह-दारन कहा जाता था।

8. चुंबकीय दिशासूचक का भारतीय महासागरों में प्रयोग की प्रारंभिक सूचना किसके द्वारा दी गई?

(a) मार्को पोलो (b) इब्नबतूता

(c) सदरुद्दीन मुहम्मद 'औफी' (d) निकोलो कोंटी

Jharkhand P.C.S. (Pre) 2016

उत्तर–(c)

चुंबकीय दिशासूचक का भारतीय महासागरों में प्रयोग की प्रारंभिक सूचना सादिदुद्दीन मुहम्मद इब्न मुहम्मद 'औफी' बुखारी द्वारा दी गई। इनकी पुस्तक का नाम 'लुबाब-उल-अल्बाब' तथा 'जवामी-उल-हिकायत' थी। जवामी-उल-हिकायत में ही इन्होंने दिशासूचक यंत्र के बारे में संदर्भित किया था।

9. निम्न व्यक्तियों ने भारत में विभिन्न समय पर राज्य किया। उनके राज के सही कालक्रम का, नीचे दिए गए कूट की सहायता से चयन कीजिए–

1. शेरशाह 2. अकबर

3. अलाउद्दीन खिलजी 4. रजिया सुल्तान

कूट :

(a) 4, 1, 3, 2 (b) 1, 2, 3, 4

(c) 4, 3, 1 ,2 (d) 3, 4, 1, 2

U. P. P. S.C. (GIC) 2010

उत्तर–(c)

शासक	शासनकाल
रजिया सुल्तान	1236-1240 ई.
अलाउद्दीन खिलजी	1296-1316 ई.
शेरशाह	1540-1545 ई.
अकबर	1556-1605 ई.

10. सूची I को सूची II से सुमेलित कीजिए और नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए -

सूची I (युद्ध)	सूची-II(वर्ष)
A. चन्दवाड़ का युद्ध	1. 1398
B. तैमूर का आक्रमण	2. 1194
C. तालीकोटा का युद्ध	3. 1529
D. घाघरा का युद्ध	4. 1565

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	3	4	1
(c)	1	4	3	2
(d)	2	1	4	3

U.P. R.O./A.R.O. (Mains) 2017

उत्तर–(d)

Scanned with OKEN Scanner

सूची I का सूची II से सही सुमेलन है-

सूची I (युद्ध)	सूची-II (वर्ष)
चन्दवाड़ (चन्दावर) का युद्ध	1194
तैमूर का आक्रमण	1398
तालीकोटा का युद्ध	1565
घाघरा का युद्ध	1529

11. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सुमेलित नहीं है?

(a) बहादुरशाह — गुजरात
(b) चांद बीबी — अवध
(c) रजिया सुल्तान — दिल्ली
(d) बाज बहादुर — मालवा

R.A.S./R.T.S. (Pre) 2016

उत्तर—(b)

चांद बीबी अहमदनगर के तीसरे शासक हुसैन निजामशाह प्रथम की पुत्री थी, जिनका संबंध अवध राज्य से नहीं, बल्कि अहमदनगर व बीजापुर से था। जबकि बहादुरशाह का संबंध गुजरात से, रजिया सुल्तान का संबंध दिल्ली से तथा बाज बहादुर का संबंध मालवा से था। अतः विकल्प (b) सही सुमेलित नहीं है।

12. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए—

1. विजयनगर के कृष्णदेव राय का शासनकाल
2. कुतुबमीनार का निर्माण
3. पुर्तगालियों का भारत आगमन
4. फिरोज तुगलक की मृत्यु

इन घटनाओं का सही कालानुक्रम है—

(a) 2, 4, 3, 1 (b) 2, 4, 1, 3
(c) 4, 2, 1, 3 (d) 4, 2, 3, 1

I.A.S. (Pre) 2000

उत्तर—(a)

कुतुबमीनार के निर्माण का प्रारंभ कुतुबुद्दीन ऐबक ने किया था, जबकि इसे पूर्ण इल्तुतमिश ने किया था। फिरोज तुगलक की मृत्यु 1388 ई. में, पुर्तगालियों का भारत आगमन 1498 ई. (वास्कोडिगामा के नेतृत्व में) में तथा कृष्णदेव राय का शासनकाल 1509-1529 ई. है। अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

13. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा इन्हें कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए -

1. मुहम्मद तुगलक द्वारा राजधानी का स्थानांतरण
2. अफगानपुर षड्यंत्र
3. जलालुद्दीन खिलजी की हत्या
4. तराइन का द्वितीय युद्ध

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए-

कूट :

(a) 4, 3, 2, 1 (b) 3, 1, 2, 4
(c) 1, 2, 3, 4 (d) 1, 2, 4, 3

U.P.R.O./A.R.O. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

1192 ई. में तराइन के द्वितीय युद्ध में मुहम्मद गोरी द्वारा पृथ्वीराज चौहान की पराजय के बाद भारत में मुस्लिम शक्ति की स्थापना हुई। 1296 ई. में जलालुद्दीन खिलजी की हत्या हुई थी। अफगानपुर षड्यंत्र द्वारा उलूग खां (मुहम्मद बिन तुगलक) को सुल्तान गयासुद्दीन की हत्या (1325 ई.) का दोषी माना जाता है। सुल्तान मुहम्मद बिन तुगलक (1325-51 ई.) अपनी राजधानी दिल्ली से 'दौलताबाद' (देवगिरि) ले गया।

14. निम्नलिखित अवतरण पर ध्यान दीजिए—

"अपने लगभग तीस वर्ष के व्यापक यात्री जीवन में उसने पूर्वी गोलार्द्ध के विस्तृत भू-भाग की यात्रा की, उस विशाल भू-भाग को देखा, जिसमें आज कोई 44 देश आते हैं और कुल मिलाकर लगभग 73000 मील की दूरी चलकर पार की।"

पूर्व-आधुनिक काल का संसार का सबसे बड़ा वह यात्री कौन था, जिसका वर्णन ऊपर के अवतरण में है?

(a) मेगस्थनीज (b) फाह्यान
(c) मार्को पोलो (d) इब्नबतूता

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर—(d)

1271 ई. में अपनी यात्रा प्रारंभ कर मार्को पोलो ने 24 वर्षों तक लगभग 24000 मील की दूरी तय की। मंगोल शासक कुबलई खान से सहायता प्राप्त मार्को पोलो की यात्राओं में मध्य-पूर्व, मध्य एशिया, चीन एवं मंगोलिया शामिल हैं। निश्चित रूप से मार्को पोलो शिखर यायावरों में से एक था, किंतु मोरक्को का इब्नबतूता भू-भाग की लंबाई एवं विशालता की दृष्टि से मार्को पोलो से भी बड़ा घुमक्कड़ था। उसने दक्षिण अफ्रीका, पश्चिमी अफ्रीका, दक्षिणी एवं पूर्वी यूरोप, मध्य-पूर्व, भारतीय उपमहाद्वीप, मध्य एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया एवं चीन क्षेत्र के 44 देशों में लगभग 73000 मील (लगभग 117482 किमी.) की दूरी अपने 30 वर्षों के यात्री जीवन में तय की थी।

15. नीचे के युग्मों में एक ओर प्राचीन और मध्य युग के राजाओं के नाम हैं और दूसरी ओर उनके विरचित ग्रंथ हैं। इनमें से कौन-सा युग्म सही सुमेलित है?

(a) कृष्णदेव राय : समरांगणसूत्रधार
(b) महेंद्रवर्मन : मत्तविलासप्रहसन
(c) भोजदेव : मानसोल्लास
(d) सोमेश्वर : अमुक्तमाल्यद

I.A.S. (Pre) 1993

उत्तर—(b)

Scanned with OKEN Scanner

विजयनगर के शासक कृष्णदेव राय ने तेलुगू भाषा में 'आमुक्तमाल्यद' की रचना की थी। मत्तविलासप्रहसन की रचना पल्लव शासक महेंद्रवर्मन प्रथम ने की थी। भोज ने 'समरांगण-सूत्रधार' एवं सोमेश्वर ने 'मानसोल्लास' नामक ग्रंथ की रचना की थी।

16. दिल्ली सल्तनत के किस वंश ने सबसे कम समय तक शासन किया?

(a) खिलजी (b) तुगलक

(c) सैय्यद (d) लोदी

M.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(a)

दिल्ली सल्तनत के गुलाम वंश के सुल्तानों ने 1206 से 1290 ई. तक शासन किया। खिलजी वंश ने 1290 से 1320 ई. तक शासन किया। तुगलक वंश के शासकों ने 1320 से 1412 ई. तक शासन किया। सैय्यद वंश के शासकों ने 1414 से 1451 ई. तथा लोदी वंश ने 1451 से 1526 ई. तक शासन किया। इस प्रकार खिलजी वंश के शासकों ने सबसे कम समय तक शासन किया।

17. आइन-उल-मुल्क मुल्तानी ने इनमें से किस शासक के अधीन सेवा नहीं की थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक

(c) फिरोज तुगलक (d) इल्तुतमिश

M.P. P.C.S. (Pre) 2017

उत्तर—(d)

आइन-उल-मुल्क मुल्तानी ने अलाउद्दीन खिलजी, मुहम्मद बिन तुगलक एवं फिरोज शाह तुगलक के अधीन अपनी सेवा प्रदान की। अलाउद्दीन खिलजी ने 1305 ई. में आइन-उल-मुल्क मुल्तानी को मध्य भारत भेजा, जहां उसने मालवा पर विजय प्राप्त की। वह अपने अंतिम दिनों में दक्षिण विजय में व्यस्त रहा।

18. निम्नलिखित में से किस प्रथा की शुरुआत राजपूतों के समय में हुई?

(a) सती प्रथा (b) बाल विवाह

(c) जौहर प्रथा (d) इनमें से किसी की नहीं

Uttarakhand U.D.A./L.D.A. (Pre) 2007

उत्तर—(c)

राजपूतों द्वारा मुस्लिम आक्रमणकारियों से स्त्रियों की रक्षा के लिए जौहर प्रथा का प्रचलन हुआ। इसमें सभी राजपूत पुरुषों के युद्ध में मारे जाने के पश्चात किले में सभी स्त्रियां सामूहिक रूप से चिता में कूदकर अपनी जान दे देती थीं। सती प्रथा एवं बाल विवाह जैसी प्रथाएं यद्यपि राजपूतों के समय बढ़ीं तथापि ये पहले से चली आ रही थीं।

19. निम्नलिखित मध्यकालीन विद्वानों/लेखकों में कौन जैन धर्म का अनुयायी था?

(a) मालधर बसु (b) हेमचंद्र सूरी

(c) पार्थसारथी (d) सायण

U.P.P.C.S. (Mains) 2009

उत्तर—(b)

हेमचंद्र सूरी मध्यकालीन विद्वान/लेखकों में जैन धर्म का अनुयायी था। वह जयसिंह सिद्धराज के दरबार को सुशोभित करता था। उसी से प्रभावित होकर जयसिंह सिद्धराज ने आबू पर्वत पर एक मंडप का निर्माण करवाया था और उसमें जैन तीर्थंकरों की मूर्तियां स्थापित करवाई थीं, जो अनंतर एक जैन तीर्थ के नाम से जाना जाता है।

20. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करते हुए सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	सूची-II
A. प्लासी का युद्ध	1. 261 ईस्वी पूर्व
B. कलिंग का युद्ध	2. 1576 ईस्वी सन
C. हल्दीघाटी का युद्ध	3. 1192 ईस्वी सन
D. तराइन का युद्ध	4. 1757 ईस्वी सन

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	3	4
(c)	4	1	2	3
(d)	3	4	1	2

U.P. Lower Sub. (Pre) 2002
U.P. Lower Sub. (Pre) 2003

उत्तर—(c)

(i) **प्लासी का युद्ध—** 23 जून, 1757 को बंगाल के तत्कालीन नवाब सिराजुद्दौला तथा ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच हुआ था। नवाब की सेना का नेतृत्व राजद्रोही—मीर जाफर, यार लतीफ तथा राय दुर्लभ ने किया, जिनके विश्वासघात के कारण नवाब की हार हुई।

(ii) **कलिंग का युद्ध—**अशोक ने 261 ई.पू. में कलिंग पर आक्रमण किया। इस युद्ध में लगभग एक लाख लोग मारे गए तथा पचास हजार बंदी बनाए गए। इसी युद्ध के बाद अशोक ने बौद्ध धर्म अपना लिया। कलिंग युद्ध तथा उसके परिणामों के बारे में अशोक के तेरहवें वृहद शिलालेख से विस्तृत जानकारी मिलती है।

(iii) **हल्दीघाटी का युद्ध—** 1576 ई. में मुगल सम्राट अकबर तथा महाराणा प्रताप के बीच लड़ा गया।

(iv) **तराइन का द्वितीय युद्ध** (1192 ई.)—पृथ्वीराज चौहान और मुहम्मद गोरी के बीच हुआ था, जिसमें गोरी की सजगता और श्रेष्ठ युद्ध प्रणाली के कारण उसकी जीत हुई।

Scanned with OKEN Scanner

21. सूची-I तथा सूची-II का सुमेल कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए–

सूची-I	सूची-II
A. अकबर	1. सड़क-ए-आजम
B. मुहम्मद तुगलक	2. चहलगानी अमीर
C. इल्तुतमिश	3. आइन-ए-दहसाला
D. शेरशाह	4. प्रतीक मुद्रा

कूट :

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	3	4	2	1
(c)	2	3	1	4
(d)	4	1	3	2

U.P.P.C.S. (Pre) 1997

उत्तर–(b)

शेरशाह द्वारा निर्मित सड़कों में विशेष उल्लेखनीय सड़क लाहौर से लेकर सोनारगांव (बांग्लादेश) तक जाती थी, जो सबसे लंबी थी तथा 'सड़क-ए-आजम' के नाम से जानी जाती थी। प्रतीक मुद्रा मुहम्मद तुगलक ने जारी की थी। 'आइन-ए-दहसाला' पद्धति का संबंध अकबर की भू-राजस्व व्यवस्था से है। 'चहलगानी अमीर' (तुर्कान-ए-चहलगानी) दल का गठन इल्तुतमिश ने किया था।

22. मध्यकालीन भारतीय इतिहास में 'पनही' तथा 'उपानह' का उल्लेख किस संदर्भ में मिलता है?

(a) वस्त्र (b) आभूषण

(c) आवास (d) जूता

M.P.P.C.S. (Pre) 2020

उत्तर–(d)

मध्यकालीन भारतीय इतिहास में 'पनही' तथा 'उपानह' का उल्लेख 'जूता' के संदर्भ में प्राप्त होता है।

23. मध्यकालीन भारत में, शब्द 'फणम' किसे निर्दिष्ट करता था?

(a) पहनावा (b) सिक्के

(c) आभूषण (d) हथियार

I.A.S. (Pre) 2022

उत्तर–(b)

दक्षिण भारत में मध्य काल से 19वीं शताब्दी के बीच जारी सोने के छोटे सिक्के फणम कहलाते थे।

24. तेरहवीं और चौहदवीं शताब्दियों में भारतीय कृषक, खेती नहीं करता था–

(a) गेहूं की (b) जौ की

(c) चना की (d) मक्का की

U.P. P.C.S. (Spl.) (Pre) 2008

U.P.P.C.S. (Pre) 2011

उत्तर–(d)

कृषि भारतीयों की जीविका का मुख्य आधार था। भारत की अधिकांश जनसंख्या कृषक ही थी। उर्वर भूमि एवं सिंचाई के साधनों की व्यवस्था के कारण यहां उपज बहुत अधिक होती थी। देश के विभिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न फसलें बोई जाती थीं। 13-14वीं शताब्दी में भारतीय कृषक गेहूं, जौ, चावल, कपास और चना आदि की खेती करते थे, परंतु वे मक्के की खेती नहीं करते थे। इब्नबतूता के अनुसार किसान वर्ष में तीन फसलें काटते थे। धान, गेहूं, ईख और कपास की खेती बड़े पैमाने पर होती थी। मक्का मुख्यत: पुर्तगाली लेकर आए थे। दक्षिण भारत में विभिन्न मसाले उपजाए जाते थे।

25. मध्यकालीन भारत में 'महत्तर' और 'पट्टकिल' पदनाम किनके लिए प्रयुक्त होते थे?

(a) सैन्य अधिकारी

(b) ग्राम मुखिया

(c) वैदिक कर्मकांड के विशेषज्ञ

(d) शिल्पी श्रेणियों के प्रमुख

I.A.S. (Pre) 2014

उत्तर–(b)

'भारतीय राजनीति विज्ञान एसोसिएशन' (Indian Political Science Association) के जनवरी-मार्च, 2004 अंक (Vol. 65, No. 1) में **'विलेज एडमिनिस्ट्रेशन इन एनशिएंट इंडिया'** (Village Administration in Ancient India) शीर्षक के अंतर्गत प्रकाशित लेख के अनुसार, प्राचीन समय में (600 एवं 1200 AD के मध्य) भारत में प्रशासन का केंद्र-बिंदु गांव था। वैदिक साहित्य के अनुसार गांव का मुखिया 'ग्रामणी' कहलाता था। उत्तर भारत में उसे **'ग्रामिका'** (Gramika) या **'ग्रामेयाका'** (Grameyaka) कहा जाता था। महाराष्ट्र में उसे **'ग्रामाकुत'** (Gramakuta) या **'पट्टकिल'** (Pattakila), कर्नाटक में **'गवुंद'** (Gavunda) तथा उत्तर प्रदेश में 'महत्तक' (Mahattaka) कहा जाता था। **Indian Epigraphical Glossary (लेखक :- दिनेश चंद्र सरकार) में भी महत्तक (Mahattaka)** को गांव के मुखिया या पंचायत बोर्ड के सदस्य के रूप में परिभाषित किया गया है। यहां यह उल्लेख कर देना भी समुचित है कि **डॉ. हरिश्चंद्र वर्मा** ने अपनी संपादित पुस्तक **मध्यकालीन भारत का इतिहास प्रथम खंड** में महत्तर का इस प्रकार उल्लेख किया है–"**शिल्पकारों की श्रेणियों का उल्लेख अभिलेखों में भी मिलता है। इनके प्रधान महत्तर कहे जाते थे।**" संघ लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न का सही उत्तर विकल्प (b) माना है।

Scanned with OKEN Scanner